आठवें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर
भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त का संदेश

25 जनवरी, 2018

मुझे 8वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर अपने देश के नागरिकों को बधाई देते हुए अत्यन्त गौरव की अनुभूति हो रही है। यह दिन दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का एक अनोखा उत्सव है। मैं नए मतदाताओं का स्वागत करता हूं; विशेषकर उन मिलेनियम मतदाताओं का, जिन्हें अभी पंजीकृत किया गया है, उनका आह्वान करता हूं कि वे अपने-अपने निर्वाचन-क्षेत्र में अगले निर्वाचन में अपने मताधिकार का स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रुप से प्रयोग करें ।

भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना आज ही के दिन सन् 1950 में हुई थी। वर्ष 2011 से इसे राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया गया । यह दिन भारत के मतदाताओं को समर्पित है और यह प्रत्येक भारतीय नागरिक को धर्म, नस्ल, जाति, समुदाय, भाषा, क्षेत्र या सामाजिक-आर्थिक स्थितियों की परवाह किए बिना उन्हें दिए गए वयस्क मताधिकार के संवैधानिक अधिकारों की याद दिलाता है। इस दिन, एक 'शपथ' के माध्यम से लोकतंत्र के प्रति अपने अटल विश्वास को दोहराते हुए, हम अपने देश की समृद्ध लोकतांत्रिक परंपराओं और स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनावों की शुचिता को बनाए रखने का फिर से संकल्प लेते हैं।

निर्वाचनों में नागरिकों की भागीदारी, मतदाता सूची में अपना नाम पंजीकृत करवाने और मतदान के दिन मतदान के अधिकार की पुष्टि के साथ शुरू होती है। हमने लगातार प्रयासों के माध्यम से, **9.97 लाख*** मतदान केन्द्रों में फैले **87.53 करोड़*** निर्वाचकों की मतदाता सूची बना ली है। ये मतदान केन्द्र दूर-दराज के इलाकों सहित अपने देश के विशाल भू-भाग को कवर करते हैं।

भारत निर्वाचन आयोग ने सभी श्रेणियों के मतदाताओं की सर्व-समावेशी, जागरूक और नैतिक चुनावी भागीदारी को प्रोत्साहित करने और बढ़ाने के अपने निरंतर प्रयास में कई प्रकार की पहल की हैं। इनमें 'कोई भी मतदाता न छूटे' theme के अनुरूप मतदान केन्द्र स्तर तक मतदाताओं

के साथ भली प्रकार से जुड़ने के लिए सोशल मीडिया सहित टेक्नोलॉजी एवं मीडिया को एकीकृत किया गया है।

मतदाता शिक्षा, मतदाता को निर्वाचन प्रक्रियाओं के साथ जोड़ती है। मतदाता शिक्षा कार्यक्रम स्वीप को भावी एवं नए मतदाताओं को जोड़ने के लिए और अधिक सुदृढ़ किया गया है। Interactive School Engagement एवं राष्ट्रीय निर्वाचन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता को स्कूलों एवं भावी मतदाताओं से शानदार प्रतिक्रिया मिला है। शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से निर्वाचकीय साक्षरता को मुख्य धारा में लाने की शुरुआत की गई है जिसके अंतर्गत आज Electoral Literacy Clubs ya Chunav Pathshala launch किया जा रहा है।

VVPAT युक्त EVM के 100% कवरेज द्वारा निर्वाचकों के भरोसे को और मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण पहल की गई है। ई-सेवाएं प्रदान करने के लिए ERO-NET प्रारम्भ किया गया। सेवा मतदाताओं के पंजीकरण के लिए विशेष पहल भी की गई ।

दिव्यांगजनों के पंजीकरण एवं उनकी सहभागिता को सुगम बनाने के लिए आयोग ने वर्ष 2018 का theme 'सुगम निर्वाचन' सुनिश्चित किया है ।

मैं एक बार फिर देश के प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रीय मतदाता दिवस, 2018 के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं।

जय हिंद !